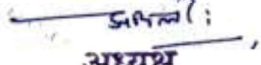
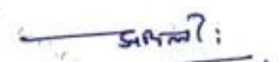


भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए. द्विवार्षिक (M.A. 2 years)	सत्रार्द्ध : चतुर्थ Semester : IV	सत्र (Session) : 2025-26
विषय (Subject) : नव्यव्याकरणम्			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VVNY-45	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(EESC) अनुवादप्रविधि:	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) {Core Course/ VAC(EESC)}	विषय VAC (EESC)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से एकवार्षिक स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध/द्विवार्षिक स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण तथा नव्यव्याकरण विषय में प्रमाणपत्र/पत्रोपाधि/उपाधि प्राप्त छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	<ol style="list-style-type: none"> 1. भाषान्तर करने का सामर्थ्य 2. हिन्दी अथवा अन्य भाषा से संस्कृत में अनुवाद करने के सामर्थ्य का विकास 3. अनुवाद के विविध शैली का ज्ञान 4. अनुवादगत समस्याओं का परिज्ञान एवं परिहार 5. शोधप्रबन्ध लेखन का कौशल विकास 	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	2	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 35
भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course			
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह एक कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 1 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- तीस घण्टे (30 hours) L-T-P: 1-0-0			


 अध्यक्ष
 व्याकरण विभाग
 म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
 उज्जैन (म.प्र.)

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	<p>संरचनात्मक भाषागत विश्लेषण</p> <ul style="list-style-type: none"> पद-विज्ञान: सुबन्त और तिङन्त रूपों का अनुवाद में सटीक नियोजना। कारक-विभक्ति और उपपद विभक्तियों का सूक्ष्म प्रयोग। वाक्य-विन्यास (Syntax): कर्ता-कर्म-क्रिया के साथ विशेषण-विशेष्य का अन्वय। <p>गतिविधि – संस्कृत नाटक तथा संस्कृत काव्यग्रन्थों का वाक्य विश्लेषण।</p>	06
2	<p>व्युत्पत्ति एवं व्याकरण सम्बन्धी वैशिष्ट्य</p> <ul style="list-style-type: none"> कृदन्त एवं तद्धित प्रत्ययों के माध्यम से संक्षिप्त अभिव्यक्ति। वाच्य-विवेक: कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य में रूपात्मक परिवर्तन की दक्षता। सन्नन्त, यङन्त और णिजन्त क्रियापदों का अनुवाद में अनुप्रयोग। <p>गतिविधि: – संस्कृत ग्रन्थों में प्रत्ययान्तशब्दों का अन्वेषण एवं विश्लेषण।</p>	06
3	<p>समास, सन्धि एवं अर्थ-गौरव</p> <ul style="list-style-type: none"> सामासिक पदों का विग्रह और अनुवाद में उनकी संक्षिप्ति। सन्धि-नियमों के आधार पर पदों का संयोजन और वियोजना। पारिभाषिक शब्दावली: दार्शनिक, विधिक और शास्त्रीय शब्दों का चयन। <p>गतिविधि – दण्डि-बाणभट्टादि ग्रन्थकर्ताओं के काव्य में समास सन्धि का विश्लेषण।</p>	06
4	<p>शैली विज्ञान एवं भावानुवाद</p> <ul style="list-style-type: none"> गद्य और पद्य के अनुवाद की विभिन्न प्रविधियाँ। लोकोक्ति, मुहावरे (Idioms) और सूक्तियों का संस्कृत में भावान्तरण। अलङ्कारिक भाषा और संस्कृत वाक्-शैली (Idiomatic Sanskrit) का अभ्यास। <p>गतिविधि – भाषाविज्ञान के दृष्टि से इन विषयों का विश्लेषण।</p>	06

5	<p>व्यावहारिक एवं आलोचनात्मक अनुवाद</p> <ul style="list-style-type: none"> अशुद्धि शोधन: अनुवाद में होने वाली सामान्य और विशिष्ट त्रुटियों का निराकरण। आधुनिक विषयों (विज्ञान, राजनीति, अर्थव्यवस्था) का संस्कृत में अनुवाद। अनुवाद की समीक्षा और मूल पाठ के प्रति निष्ठा का विश्लेषण। <p>गतिविधि - आधुनिक विषयों (विज्ञान, राजनीति, अर्थव्यवस्था) का संस्कृत में अनुवाद।</p>	06
<p>कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : ज्योतिष परामर्श, प्रश्नज्योतिष, शान्तिविधान</p>		
<p>भाग-स, अनुशासित अध्ययन संसाधन (Part C-Learning Resources)</p>		
<p>पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)</p>		
<p>अनुशासित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-</p> <p>1. डॉ .कपिलदेव द्विवेदी की शृंखला प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी: रचनानुवादकौमुदी: प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी:</p> <ul style="list-style-type: none"> बृहद् अनुवाद चन्द्रिका (चक्रधर नौटियाल 'हंस') संस्कृत शिक्षण सरणी (आचार्य रामशास्त्री): संस्कृत अनुवाद कौमुदी (ईश्वरचन्द्र विद्यासागर): <p>Suggestive digital platforms/ web links-</p>		
<p>अनुशासित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम</p> <p>Suggested equivalent online courses:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3. sanskrit.samskrutam.com 4. swayam.gov.in 		
<p>भाग- द, अनुशासित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)</p>		
<p>अनुशासित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी</p> <p>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100</p> <p>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 100 Marks</p>		


अध्यक्ष
 व्याकरण विभाग
 म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
 उज्जैन (म.प्र.)

बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समय: (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	100
Any remarks/ suggestions:		

अध्यापकः
अध्यक्ष
व्याकरण विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)